

16244

14388

5000Rs.



45  
15  
28

45  
15  
28  
- 7 DEC 2002  
31/12/02  
31/12/02

36760  
12 45  
2 50  
808-44  
22/12/02

श्री उदित राम पिता भैरव महतो जाति तेली, पेशा  
खेती बारी, निवासी ग्राम पुन्दाग, धाना जगरनापुर, जिला  
राँची & झारखण्ड, भारतीय नागरिक -- बिभेता ।

श्रीमती रूपम सिन्हा पति श्री सुशील कुमार सिन्हा जाति  
कायस्थ, पेशा गृहिणी, निवासी ग्राम गोकरी जमालपुर,  
उड़ीसा, भारतीय नागरिक -- प्रेता ।

यह बिक्रय पत्र आज दिनांक 28 माह 12 सन 2002 ईशवी को इस प्रकार सम्पन्न होता है :-

1. लेख्यकारी : श्री उदित राम पिता भैरव महतो जाति तेली, पेशा  
खेती बारी, निवासी ग्राम पुन्दाग, धाना जगरनापुर, जिला  
राँची & झारखण्ड, भारतीय नागरिक -- बिभेता ।
2. लेख्यधारी : श्रीमती रूपम सिन्हा पति श्री सुशील कुमार सिन्हा जाति  
कायस्थ, पेशा गृहिणी, निवासी ग्राम गोकरी जमालपुर,  
उड़ीसा, भारतीय नागरिक -- प्रेता ।
3. लेख्य प्रकार : यह बिक्रय पत्र, आज दिनांक से सदा के लिए, जितका वार्षिक  
लगान 1=00 रुक रूपया अलावे शेष इत्याद ।
4. लेख्य मूल्य : मोवलीग 37,500/- सैंतीस हजार पाँच सौ रुपये मात्र ।

31/12/02  
28.12.02

3630  
1475  
2155  
5755

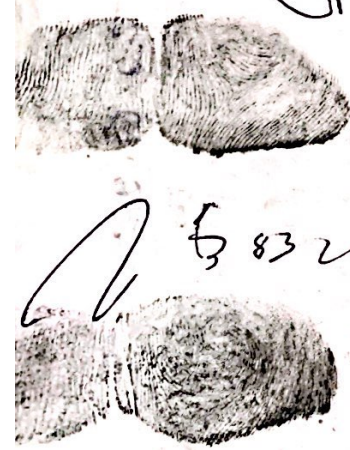
No. 4085 Date 7.12.2002  
Non Judicial Stamp worth Rs. 575/-  
Sold to Shri. Smt. Rupam Singh  
along with the stamps of Rs. 500 + 250/-

Ranchi Treasury, Ranchi

उपरोक्त रकम  
28/12/02  
श्री उपरोक्त रकम  
श्री क. क. क.  
श्री क. क. क.  
श्री क. क. क.



2682/31/12/02  
उपरोक्त रकम



उपरोक्त रकम  
श्री क. क. क.  
श्री क. क. क.

श्री क. क. क.  
28.12.02

श्री क. क. क.  
28/12/02

- 7 DEC 2012

5. नाम निन्दार : शारुण्डे/तरकार, अंचल पदाधिकारी, रातू अंचल, रातू,

(भारत) रॉपी ।

6. लेख्य सम्पत्ति का विवरण : मवाली 1.86 कट्टा कमीषा जमीन जो हकीयत

उरीदगी रैयती भूमि जो मौजा पुन्दाग, धाना जगरनाथपुर, धाना नम्बर 228, जो जिला रॉपी में स्थित है, जिस पर लेख्यकारी शांतिपूर्वक दखल-कब्जा कर चले आ रहे हैं, जो रॉपी अवर निबंधन पदाधिकारी, रॉपी एवं सह जिला निबंधन पदाधिकारी, रॉपी से सम्बन्धित है, जो नवीस्ते जल्ह लोहार पिता महा लोहार से दिनांक 8-6-1968 ईस्वी को रजिस्ट्री पददा के द्वारा प्राप्त कर जिसका बुक नम्बर 1, मोलुम नम्बर 54, पेज नम्बर 152 से 154 तक है, जिसका तिरियल नम्बर 6626, दस्तावेज नम्बर 6317 है, जो रॉपी अवर निबंधन के कार्यालय में दर्ज है, जिसका अन्दर छाता नम्बर 253, प्लॉट नम्बर 181, कुल रकबा 64 डीसमील, मध्ये रकबा 1.86 कट्टा कमीषा जमीन अपना एक और हिस्से की भूमि को लेख्यधारी के हाथों बिक्री करते हैं । जिसकी चौहद्दी इस प्रकार है :-

उत्तर : सर्व प्लॉट नम्बर 383 का अंश ।

दक्षिण : सब प्लॉट नम्बर 181/33

पुर्व : 20 ॥ बीस ॥ फीट का प्रस्तावित रास्ता ।

पश्चिम : सर्व प्लॉट नम्बर 38 का अंश ।

उचित रान  
20.12.02



- 3 -

जमीन की नापी इस प्रकार है :-

उत्तर की तरफ : 44 फीट ।

दक्षिण की तरफ : 50 फीट ।

पूरुब की तरफ : 26 फीट ।

पश्चिम की तरफ : 24 फीट ।

विदित हो कि इस दस्तावेज के साथ लाल रंग से रंगकर नक्शा को दर्शाया गया है, जिसका सब प्लॉट नम्बर 181/33-ए के रूप में चिन्हित किया गया है, जो इस दस्तावेज का अभिन्न अंग है ।

विदित हो कि यह भूमि राँची नगर निगम क्षेत्र से बाह्यक अभिसन्ता केपत्रांक 662, दिनांक 15.2.2002 ईशवी के अनुसार राँची नगर निगम क्षेत्र से बाहर पड़ता है ।

विदित हो कि लेख्यकारी के नाम से रंगत अंवल में दाखल खारिज भी/पुका है, जिसका सरकारी लगान भी कट रहा है ।

सन्दर्भ :-

विदित हो कि बिद्वय वाली भूमि पर बिद्वेता अपने हक वो हिस्से की मुताबिक कागज वो दखलकार है । वूँकि बिद्वेता को इस समय मकान बनाने एवं आवश्यक कार्य हेतु रुपये की आवश्यकता आ पड़ी है । इसीलए उपर वीर्णित भूमि स्तम्भ 6 में जो अंकित किया गया है, को बिद्वी करने हेतु इच्छा व्यक्त क्रेता के साथ किये, जिस पर दोनों पक्ष १ क्रेता एवं बिद्वेता १ के बीच कुल रकवा 1.06 कट्टा कमोवेश जमीन की कीमत रुपये मात्र निविद्यत करके बिद्वय करने की

- 4 -

उदित रीम  
28.12.02

बात तय हुई और उक्त प्रतिकूल में क्रेता क्रय करने की अपनी मंजूरी

बिक्रेता को दिये ।

अतः बिक्रेता हर प्रकार के हकीयत नुक्स लिटिगेशन एवं ऋण भार से मुक्त अथवा सब प्रकार से स्वच्छ एवं निर्मल भूमि को कुल राशि 37,500/- सैंतीस हजार पाँच सौ रुपये मात्र में उक्त क्रेता के हाथ बिक्री कर हस्तान्तरण कर दिये तथा बिक्री पट्टा रॉपी निबंधन कार्यालय में सम्पन्न कराकर हमेशा के लिए स्वामित्व प्रदान कर दखलकार कर दिये तथा बिक्री पट्टा रॉपी निबंधन कार्यालय में सम्पन्न कराकर हमेशा के लिए स्वामित्व प्रदान कर दखलकार कर दिये । अब किसी प्रकार का हक, दावा, सरोकार या स्वामित्व बिक्रेता एवं उनके उत्तराधिकारी का नहीं रहा और न ही भविष्य में कभी होगा एवं नुक्स निकले तो आज तारीख से पहले जो नुक्स निकले तो लेखकारी एवं उनके वारिसानों देंगे। अर्थात् हर प्रकार का हक, दावा, स्वामित्व, सरोकार एवं प्रभुत्व बिक्रेता से विलग होकर क्रेता एवं उनके उत्तराधिकारी को प्राप्त हुआ और बराबर रहेगा । इसीलिए अब क्रेता को चाहे जिस सैय भूमि पर बहैतयत मालिक के काबिल वो दखलकार होकर वो रहकर अपने मन पसन्द इस्तेमाल में लावे उस पर बाउण्ड्री वाल दिलावे, फ़ूँआ खोदें, बाग बगीचा लगावे, मकान बनावे वो भी समय, जरूरत पर किसी के साथ बैय, बिक्री, बंधक, दान करें । इन्हें बिक्रेता एवं उनके वारिसानों को किसी तरह की कोई आपत्त विरोध अथवा हस्तक्षेप नहीं होगा और न ही भविष्य में कभी करेंगे । यदि करेंगे तो नाजायज वो निर्मूल माना जायगा ।

विनिश्चित हो कि क्रेता एवं बिक्रेता दोनों आपस में पारोचित है वो क्रेता

उदित सिंह  
28.12.02

जमीन से सम्बन्धित कागजात का स्वयं जांच पड़ताल किये एवं जमीन का नापी कराकर सभी प्रकार से सन्तुष्ट होकर जमीन खरीद रहे हैं एवं उनके दिये विवरण के अनुसार ही दस्तावेज तैयार किया गया। साथ ही बिक्रेता यह भी विश्वास दिलाते हैं कि इस भूमि को वे किसी अन्य के हाथों बिक्री या एकरार नहीं किये।

क्रेता को यह भी चाहिए कि तैय जमीन पर सब प्रकार से दखलकार रहते हुए सम्बन्धित अंचल रांतू में अपने नाम से दाखिल डारिज कराकर रसीद लिया करें। इसमें बिक्रेता या उनके उत्तराधिकारी को किसी प्रकार का अनुनय विनय अथवा आपीत्त नहीं है और न ही विरोध है न होगा।

अतः यह बिक्रय पत्र बिक्रेता साक्षी स्वरूप उपर निर्दिष्ट तिथि और वर्ष को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करते हैं तथा लेख्यधारी को धेशा के लिए सुपुर्द कर दिये ताकि समय पर काम आवे।

लेख्यकारी एवं लेख्यधारी दोनों को यह रजिस्ट्री पट्टा पढ़ेकर वो पढ़वाकर सुन वो समझा दिया तथा बिक्रेता सन्तुष्ट होकर एवं प्रश्नगत स्वया पाकर गवाहों के समक्ष अपना अपना हस्ताक्षर कर दिये ताकि समय पर काम आवे।

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन खतियान के अनुसार सरकारी जमीन नहीं है न ही सरकार के द्वारा अधिग्रहण & सैनिक या असैकनक कार्यों के लिए किया गया है न ही भूदान की जमीन है। यह वन सीमा से बाहर है तथा बी.सी.सी.एल.या ई.सी.एल.की भी जमीन नहीं है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि यह भूमि आदिवासी छाते की नहीं है और न ही आदिवासी से सम्बन्धित है। जमीन सिलिंग

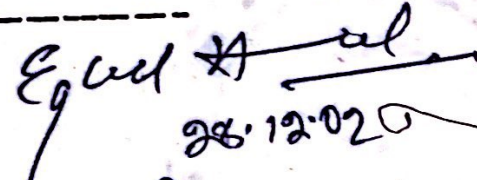
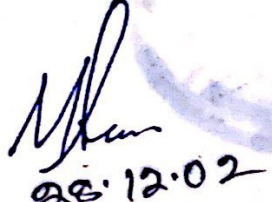
उदित रान  
28.12.02

से मुक्त है। जमीन मठ, मंदिर, गिरजा या मस्जिद की नहीं है।  
प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीय प्रति  
एक दूसरे का हु-ब-हु सच्ची प्रतिलिपि है।

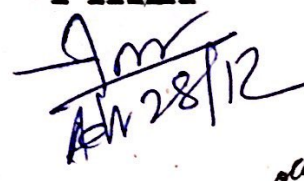
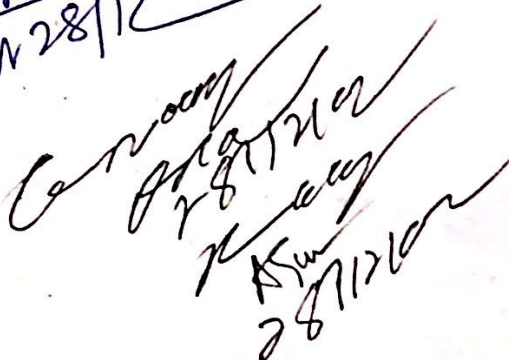
आज दिनांक 28 माह 12 सत्र 2002 ईशवी,  
स्थान राँची।

गवाहों का हस्ताक्षर

लेख्यकारी

1.  उदित शर्मा  
28.12.02 28.12.02
2.  28.12.02

इसपटक लेखी

 28/12/02  
 28/12/02

दंका- सतु के तिनहा,  
राँची।

# GUMLA ROAD

ORIGINAL

VILLAGE - PUNDAG

THANA NO. 228

THANA & DIST RANCHI

R-S. PLOT NO. 181

SUB PLOT NO. 181/33-A

AREAS SHOWN IN RED WASH

AREA

A-D

0-1-86

KATHAR MORE LINK

ROAD

ROAD

ROAD

33

50'-0" 24'-0"  
26'-0" 33'-A  
44'-0" 0"

Handwritten signature in blue ink

Handwritten initials in red ink